ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol-2* Issue-11* December- 2017
Innovation The Research Concept

पर्यटन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

भुनेश्वर टेम्भरे
सह प्राध्यापक,
भूगोल विभाग,
रानी दुर्गावती शासकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
मण्डला, म.प्र.

सारांश

वर्तमान समय में पर्यटन न केवल उद्योग के रूप में परिवर्तित हो चुका है अपितु एसे उद्योग के रूप में स्थापित हो चुका है जो प्रदूषण रहित है। वर्तमान समय में विश्व अर्थव्यवस्था में 10.0 प्रतिशत योगदान पर्यटन उद्योग का है। पर्यटन के विकास से किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर कई मोर्चो पर प्रभाव पड़ता है परिणामस्वरूप किसी भी देश के सामाजिक एवं आर्थिक पर्यावरण में कई तरह के बदलाव आते है। वर्तमान समय में पर्यटन केन्द्रों पर आने वाले प्रत्येक पर्यटक अपने–आपको शारीरिक रूप से स्फूर्त, मानसिक रूप से तरूण, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध,आध्यात्मिक रूप से लाभान्वित एवं अर्न्तमन से पर्यटन केन्द्रों के देखने के साथ–साथ महसूस भी करें, यह शासन एवं स्थानीय स्तर पर प्रयास किये जाते हैं। इन्ही प्रयासों के कारण भारत आज विश्व के मुख्य पर्यटन बिम्ब के रूप में स्थापित हो चुका है। प्रस्तुत शोध पत्र में इन्ही तथ्यों को विभिन्न विधियों उवं मॉडलों के आधार पर विश्लेषित करने का प्रयास किया गया है।

मुख्य शब्द : पर्यटन, नैसर्गिक सौंदर्य, विदेशी मुद्रा।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में पर्यटन तीव्र गति से बढ़ता उद्योग है। वर्तमान समय में पर्यटन केवल मौज मस्ती का नाम नही रह गया है अपितु पर्यटन स्थल को इस तरह से विकसित किया जा रहा है कि पर्यटक अंतरमन से पर्यटन स्थल को महसूस कर सके। विभिन्न स्तरों पर किये जा रहे सार्थक प्रयासों के कारण पर्यटन से सामाजिक एवं आर्थिक पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव आ रहे है। वर्तमान समय में पर्यटन न केवल विदेशी मुद्रा अर्जन का प्रमुख स्त्रोत है अपितु कई तरह के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सर्जन कर्ता भी है। भारत भी इसका अपवाद नहीं है। स्वतंत्रता के उपरांत भारत में पर्यटन का विकास धीमा रहा है परंतु अतिथि देवो भवः, वसुधैव कुटुबंकम, अतुल्य भारत जैसे योजनाओं के पश्चात भारत में पर्यटकों की संख्या में विशेषकर विदेशी पर्यटकों की संख्या में तीव्र गति से वृद्वि हुई है। श्वासरोधक नैसर्गिक सौंदर्य, ऐतिहासिक राजप्रसाद, आध्यात्मिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थानों का आकर्षण सहज ही पर्यटकों को आकर्षित करता है।

अध्ययन का उद्‌देश्य

अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन के उद्‌देश्यों को निम्न रूप में विभाजित किया गया है।

1. विदेशी पर्यटकों की संख्यां में वृद्धि का अध्ययन करना
2. विदेशी पर्यटकों से प्राप्त मुद्रा वृद्वि का अध्ययन करना
3. विश्व पर्यटन में भारत की आनुपतिक स्थिति का अध्ययन करना
4. पर्यटन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव का विश्लेषण करना

आंकड़ों के स्त्रोत एवं अध्ययन प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन के उद्वेश्यों को प्राप्त करने के लिए मिनिस्ट्री ऑफ टुरिज्म भारत सरकार, ब्यूरों ऑफ इमिग्रेशन से द्वितीय संमक प्राप्त किये गये है। अध्ययन के उद्‌देश्यों की स्पष्टता के लिए सरलतम एवं व्यवहारिक सांख्यिकीय विधियों का उपयोग किया गया है।

विदेशी पर्यटकों का आगमन

भारत में विदेशी पर्यटकों के तथ्यों के विश्लेषण करने से स्पष्ट होता है कि अध्ययन अवधि के दौरान पर्यटकों की संख्या में उतरोत्तर वृद्धि हो रही है। अध्ययन अवधि के प्रारंभिक वर्षों में मात्र 16829 विदेशी पर्यटकों ने भारत भ्रमण किया था वहीं अध्ययन अवधि के अंतिम वर्षे में 8030000 विदेशी पर्यटकों ने (98.79 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) भारत भ्रमण किया था।

सारणी क्रं 01
विदेशी पर्यटकों का आगमन

क्रं	वर्ष	पर्यटक संख्या में वृद्धि	क्रं	वर्ष	पर्यटक संख्या में वृद्धि
1	1951	–	6	1995	19.61
2	1960	86.32	7	2000	19.84
3	1970	56.16	8	2005	32.39
4	1981	77.60	9	2010	32.20
5	1991	26.56	10	2015	28.00

Source: Ministry of Tourism Government of India 2016-17

सारणी क्रं 01 के तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि अध्ययन अवधि के विभिन्न वर्षों में पर्यटकों की संख्या में असमान वृद्धि हुई है। अध्ययन अवधि के प्रारंभिक वर्षों में 86.32 प्रतिशत एवं अंतिम वर्षों में 28.40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यहां पर यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि अध्ययन अवधि के प्रारंभिक वर्षों मे (स्वतत्रंता के ठीक पश्चात) मात्र 16829 विदेशी पर्यटक भारत भ्रमण के लिये आये थे परंतु स्वतत्रंता के ठीक पूर्व यह स्थिति बिल्कुल ही शून्य थी। इसलिए अध्ययन अवधि के प्रारंभिक वर्षों मे अध्ययन अवधि के अंतिम वर्षों की तुलना में वृद्धि दर अधिक है जबकि वास्तविकता यह है कि अध्ययन अवधि के अंतिम वर्षों में पर्यटको की संख्या में लाखों की संख्या में वृद्वि हुई है।

विश्व परिदृष्य में भारतीय पर्यटन का योगदान

विश्व के अन्य देशों की तुलना में भारतीय र्प्यटन उद्योग तीव्र गति से विकसित हो रहा है। विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, श्वासरोधक नैसर्गिक सौन्दर्य एवं विभिन्न स्तर पर देश एवं प्रदेश की सरकारों के द्वारा किये जा रहे प्रयासों का प्रतिफल है कि आज पर्यटन के क्षेत्र में भारत की स्थिति प्रमुख दस देशों में की जाती है। भारतीय पर्यटन उद्योग का विश्व स्तर पर आनुपातिक तथ्यों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि अध्ययन अवधि के प्रारंभिक वर्षों में विश्व अर्थव्यवस्था में भारतीय पर्यटन उद्योग का अनुपात मात्र 0.03 प्रतिशत था जो अध्ययन अवधि के अंतिम वर्षों में 98.24 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.71 प्रतिशत हो गया है। उक्त तथ्य भारतीय पर्यटन उद्योग के बढ़ते योगदान को स्पष्ट करते है। विश्व पर्यटन में भारत का छठवां स्थान इसको प्रतिबिंबित करता है। सारणी क्रं 02 में उक्त तथ्यों का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है।

सारणी क्रं 02
भारतीय पर्यटन उद्योग का विश्व अर्थव्यवस्था में स्थान

क्रं	वर्ष	अनुपात	क्रं	वर्ष	अनुपात
1	1951	0.03	6	1995	0.64
2	1960	0.18	7	2000	0.66
3	1970	0.18	8	2005	0.84
4	1980	0.28	9	2010	1.52
5	1990	0.38	10	2015	1.71

Source: Ministry of Tourism Government of India 2016-17

भारतीय पर्यटन उद्योग का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व में प्रदूषण मुक्त कोई उद्योग विकसित हुआ है तो इस श्रेणी में निर्विवाद रूप से एक मात्र पर्यटन उद्याोग को ही सम्मिलित किया जा सकता है। प्रदूषण मुक्त होने एवं सांस्कृतिक आदान प्रदान के साथ साथ पर्यटन उद्योग जहां एक ओर तीव्र गति से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसरों का निर्वाध सृजन कर रहा है वहीं दूसरी ओर विदेशी मुद्रा की प्राप्ती भी हो रही है। उक्त दोनो ही स्थितियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पढ रहा है। विदेशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या से भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे चिकित्सा, आध्यात्मिक क्षेत्रों में भी पर्यटन विकास की संभावनाएं बलवती हो रही है।

पर्यटन उद्योग का भारतीय अर्थव्यवस्था पर पडने वाले प्रभावोंके संमकों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि अध्ययन अवधि के प्रारंभिक वर्षों मे मात्र 4328 करोड़ रूपयें विदेशी मुद्रा के रूप में प्राप्त हुये थे जो अध्ययन अवधि के अंतिम वर्षों में 97.24 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 135193 करोड़ रूपये की विदेशी मुद्रा का अर्जन किया गया है। सारणी क्रं 03 में उक्त तथ्यों का सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

वर्तमान समय में नैसर्गिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन, पारिस्थितिकी पर्यटन एवं ऐतिहासिक पर्यटन के रूप में पर्यटन उद्योग फलीभूत हो रहा है। उक्त सभी क्षेत्र भविष्य के बेहतर संभावना वाले क्षेत्र है।

समस्याएँ एवं सुझाव

प्राचीन काल से ही भारत में पर्यटन विविधताओं वाला क्षेत्र रहा है। राजा महाराजों का आखेट करना एवं देश की समृद्धशाली आध्यात्मिक परंपरा तथा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए पहाड़ों पर जाना यह सब पर्यटन के ही विविध स्वरूप रहे है। विगत कुछ दशकों में जहॉ पर्यटन का विकास तीव्र गति से हुआ है वहीं दुसरी ओर कई तरह की समस्याएं भी विकसित हुई हैं। पर्यटन क्षेत्रों की वहन क्षमता से ज्यादा पर्यटकों का आना, पर्यटन क्षेत्रों में बढ़ता प्रदुषण,स्थानीय स्तर पर पर्यटकों के साथ बढ़ती अशिष्टता जैसी समस्याएं निरंतर बढ़ती जा रही है। प्राकृतिक पर्यावरण की वहन क्षमता का ध्यान रखकर, आधारभूत संरचना का यथोचित पारिथतिक जन्य विकास एवं अतिथि देवो भवः की लुप्त हो रही भावना को जाग्रत कर उक्त समस्याओं को कम किया जा सकता है।

निष्कर्ष

वर्तमान समय में पर्यटन केन्द्रों पर आने वाले प्रत्येक पर्यटक अपने–आपको शारीरिक रूप से स्फूर्त, मानसिक रूप से तरूण, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध,

आध्यात्मिक रूप से लाभान्वित एवं अर्न्तमन से पर्यटन केन्द्रों के देखने के साथ–साथ महसूस भी करें, यह शासन एवं स्थानीय स्तर पर प्रयास किये जाते हैं। यही कारण है कि आज भारत विश्व में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में आने वाला दशक भारत का होगा। ऊपर वर्णित विश्लेषण से यही स्पष्ट होता है।

सारणी 03

विदेशी मुद्रा की प्राप्ती (रूपयों में)

क्रं	वर्ष	विदेशी मुद्रा की प्राप्ती	विदेशी मुद्रा में वृद्धि
1	1991	4328	–
2	1995	8430	48.79
3	2000	14238	40.80
4	2005	25172	43.44
5	2010	64889	61.21
6	2015	135193	64.37

Source: Ministry of Tourism Government of India 2016-17

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *Archer, B.H. 1989. Tourism and Island Economies: Impact Analyses, in C.P. Cooper (ed.), Progress in Tourism, Recreation and Hospitality Management Chapter 8: 125-34, London and New York: Belhaven Press.*
2. *Ganesh, Auroubindo and Dr. Madhavi, C., Impact of Tourism On Indian Economy - A Snapshot, Journal of Contemporary Research in Management, Volume-1, No.1, 2 Jan - June 2007 pp235-240,*
3. *Jafari, J. 1974: The socio-economic cost of tourism to, developing countries, Annals of tourism research - 227-259.*
4. *SharmaKshitiz, 2014. Introduction to Tourism Management, McGraw Hill Education(India) Private Limited, New Delhi*
5. *Smith, S.L.J.1997. TSAs and the WTTC/WEFA Methodology: Different Satellites or Different Planets? Tourism Economics* ***3****(3): 249-263.*
6. *Theuns H.L. 1976: Notes on the economics ofintemational tourism in developing countries, Annals of tourism research, vol 3 I, pp - 2-10.*
7. *http://www.incredibleindia.org/*
8. *http://en.wikipedia.org/wiki/Tourism*